



दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

फिल्म को लीक होते..8
सिद्धार्थनगर
बुधवार, 15 अप्रैल 2026
वर्ष: 13 अंक : 117 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

एक विश्वास....

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

मोदी सरकार का बड़ा फैसला, लोकसभा में अब होंगी 850 सीटें, सांसदों को दिए गए नए बिलों के मसौदे



लोकसभा का व्यापक विस्तार प्रस्तावित किया है, जिसके तहत सीटों की कुल संख्या 543 से बढ़कर

ने सांसदों के साथ विधेयक का मसौदा साझा किया है। इस कदम से संसदीय प्रतिनिधित्व में महत्वपूर्ण

बदलाव आने की उम्मीद है, जो 2029 के आम चुनावों से प्रभावी होंगे। संसद का बजट सत्र बढ़ा दिया गया है और इस दौरान तीन दिन का विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। इस सत्र में संसद की संख्या बढ़ाने से संबंधित प्रस्तावित संवैधानिक संशोधनों पर चर्चा और उन्हें पारित करने की संभावना है। संविधान लागू होने के बाद लोकसभा में 850 सदस्य हो जाएंगे, जो इसकी वर्तमान संख्या 543 से काफी अधिक है।

ऑटो वर्ल्ड संबंधित पत्रिका

तृणमूल से कांग्रेस सांसद डेरेक ओश्रायन ने सरकार के इरादे पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रस्तावित संशोधन महिलाओं के आरक्षण को लागू करने के बजाय परिसीमन पर अधिक केंद्रित है। उन्होंने पूछा, संवैधानिक संशोधन विधेयकों पर 16 अप्रैल को चर्चा होनी है। विधेयक की प्रति कहा है? " उन्होंने राज्य चुनावों से कुछ सप्ताह पहले बुलाए गए सत्र के समय पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि भाजपा को संवैधानिक संशोधनों को पारित करने के लिए विपक्ष के समर्थन की आवश्यकता होगी, जिसके लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत आवश्यक है। विपक्षी दल अपनी मांगों को आगे बढ़ाने और सरकार से अधिक स्पष्टता प्राप्त करने के लिए इसी आवश्यकता पर भरोसा कर रहा है।

विपक्ष ने चिंता जताई

विपक्ष सरकार के परिसीमन प्रयासों, विशेष रूप से 2011 की जनगणना के आंकड़ों के उपयोग को चुनौती देने की तैयारी में है। आम आदमी पार्टी, आरजेडी और डीएमके सहित कई दलों का तर्क है कि परिसीमन 2021 की जनगणना के अद्यतन आंकड़ों पर आधारित होना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, कई इंडिया ब्लॉक दल पिछड़े वर्गों की महिलाओं के लिए फ्लोटा के भीतर कोटा के लंबे समय से चली आ रही मांग पर स्पष्टीकरण भी मांग सकते हैं। आप सहित विपक्षी नेताओं और सहयोगियों की एक रणनीति बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे के दिल्ली स्थित आवास पर निर्धारित है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में सत्ता में काबिज टीएमसी और डीएमके के नेताओं के भी बैठक में शामिल होने की संभावना है।

जी हाँ!

अब आप भी अपनी आवाज़ उठा सकते हैं। अगर आपके आस-पास कोई समस्या है, भ्रष्टाचार है या कोई ऐसी बात जो शासन-प्रशासन तक पहुँचनी चाहिए, तो हमें तुरंत लिख भेजें। हम देंगे आपकी समस्याओं को गंज और समाधान!

अगर आपके क्षेत्र में :-

- गंदगी है
- मिाली-पावी की किल्लत है...
- या कोई अन्य समस्या है...

तो संकोच न करें। फोटो या वीडियो के साथ हमें भेजें।

कास्टिंग नंबर: 8795951917, 9415163471
आपकी समस्याओं को समाज का बदलाव है!

आंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने के बाद बवाल

लखीमपुर। यूपी के लखीमपुर जिले के बांकेगंज क्षेत्र से बड़ी खबर सामने आई है, जहां बीआर आंबेडकर जयंती के दिन ही अराजक तत्वों द्वारा उनकी प्रतिमा तोड़े जाने के बाद हालात अचानक बिगड़ गए।

ईरान संकट के बीच ट्रंप ने पीएम मोदी पाटलिपुत्र को किया फोन, 40 मिनट हुई चर्चा

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बताया कि प्रध

चली। इस साल दोनों नेताओं के बीच यह तीसरी बातचीत थी। इसके अलावा,

स्पष्ट नहीं है कि बातचीत में किन विषयों पर चर्चा हुई। अमेरिकी राजदूत गोर ने कहा कि आने वाले कुछ दिनों और हफ्तों में भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा सहित कई महत्वपूर्ण समझौतों पर सहमति बनने की उम्मीद है। वार्ता का विवरण साझा करते हुए गोर ने बताया कि ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि मैं बस आपको यह बताना चाहता हूँ कि हम सभी आपसे प्यार करते हैं। आगे की बातचीत का विवरण तुरंत सामने नहीं आया, लेकिन लगभग 40 मिनट की अवधि से पता चलता है कि दोनों नेताओं के बीच महत्वपूर्ण चर्चा हुई होगी।



राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की और यह फोन कॉल 40 मिनट से अधिक समय तक

अमेरिका-ईरान युद्धविराम के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली फोन कॉल भी थी, हालांकि यह

बिहार में नई सरकार के गठन को लेकर आज बड़ा



कुमार प्रदेश में पहली बार बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार के लिए रास्ता बनाने बना दिया। इसी के साथ बीजेपी ने नए मुख्यमंत्री का चेहरा तय कर लिया है। सम्राट चौधरी भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए। भाजपा विधायक दल की बैठक : केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा सहित अन्य पार्टी नेता भाजपा विधायक दल की बैठक में शामिल हुए। बिहार के मुख्यमंत्री पद से नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद बिहार भाजपा अपने विधायक दल के नेता का चुनाव करने जा रही है।

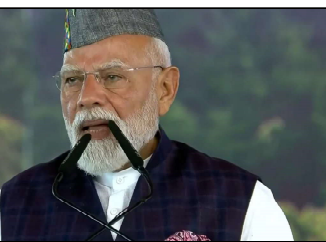
एशिया का सबसे लंबा वाइल्डलाइफ कॉरिडोर

पीएम मोदी ने दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर देश को किया समर्पित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार 14 अप्रैल को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के महत्वपूर्ण दौरे के दौरान देहरादून में एक भव्य समारोह में दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए इसे विकास के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि बताया। इस ऐतिहासिक मौके पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

भी उनके साथ उपस्थित रहे।

शताब्दी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक: जनसभा को संबोधिात करते हुए पीएम मोदी ने कहा, २1आज दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के साथ विकास की इस यात्रा में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। मुझे याद है बाबा केंदर के दर्शन के बाद मैंने कहा था कि इस शताब्दी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। आज



यह सच साबित हो रहा है। डबल इंजन सरकार की नीतियों और यहां के लोगों के परिश्रम से यह युवा राज्य विकास के नए आयाम छू रहा है। रोड शो के बाद की डाट

काली मंदिर में पूजा उद्घाटन से पहले प्रधानमंत्री सुबह करीब 11रु15 बजे उत्तर प्रदेश के सहारनपुर पहुंचे, जहां उन्होंने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के ऊंचे खंड पर बने

काली मंदिर पहुंचे और वहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

प्रोजेक्ट की खासियत करीब 12,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से तैयार यह 213 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर आधुनिक इंजीनियरिंग का बेजोड़ नमूना है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता एशिया का सबसे लंबा 12 किलोमीटर का एलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर और डाट काली मंदिर के पास बनी 340 मीटर लंबी सुरंग है। इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से

दिल्ली और देहरादून के बीच की दूरी महज 2.5 घंटे में पूरी की जा सकेगी, जिससे न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियां भी तेज होंगी।

देहरादून में उत्सव जैसा माहौल: प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर पूरे देहरादून शहर में जबरदस्त उत्साह देखा गया। शहर के मुख्य चौराहों और रास्तों को प्रधानमंत्री मोदी, नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बड़े-बड़े पोस्टरों व झंडों से सजाया गया था।

राजधानी दिल्ली के वसंत एन्क्लेव में गुंडाराज, सेना ब्रिगेडियर को टोकना पड़ा भारी, 2 गिरफ्तार

53 वर्षीय सेना ब्रिगेडियर और उनके बेटे पर कथित हमले के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि सेना अधिकारी और उनके बेटे ने दिल्ली के वसंत एन्क्लेव स्थित अपने आवास के बाहर सार्वजनिक रूप से

लिमिटेड में निदेशक हैं, जो पुलिस स्टेशन में उनकी शिकायत



चार्टर्ड और कार्गो संचालन सहित उड़ान सेवाएं प्रदान करती है और विमानों और उनके पुर्जों की खरीद-बिक्री में भी शामिल है। वहीं, शर्मा मेहरम नगर में पंडित जी ढाबा चलाते हैं। क्या हुआ?: ब्रिगेडियर परमिंदर सिंह अरोरा और उनके 23 वर्षीय बेटे तेजस अरोरा ने बताया कि उन पर एक पुलिस अधिकारी की मौजूदगी में हमला किया गया था और वसंत विहार

उन्होंने कहा कि हम जानते थे कि वे हमारे मोहल्ले के नहीं हैं, इसलिए मैंने उनसे सार्वजनिक स्थान पर शराब न पीने का अनुरोध किया। आरोप है कि उन आदमियों ने मना कर दिया। इसके बाद अरोरा ने पुलिस से संपर्क किया और एक कनिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारी ने शिकायत सुनी लेकिन कहा कि कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती।

ड्रग ओवरडोज से 2 एमबीए छात्रों की मौत, इवेंट मैनेजमेंट समेत 6 गिरफ्तार

मुंबई के गोरेगांव स्थित एनईएसको सेंटर में देर रात हुए एक संगीत कार्यक्रम में कथित तौर पर हुई दुर्घटना के बाद मुंबई पुलिस ने गहन जांच शुरू कर दी है। इस दुर्घटना में दो छात्रों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतकों की पहचान 24 वर्षीय महिला और 28 वर्षीय पुरुष के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर मुंबई के एक प्रतिष्ठित एमबीए कॉलेज के छात्र थे। 25 वर्षीय महिला की हालत गंभीर है और पास के अस्पताल के आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है। माना जा रहा है कि यह घटना 11 अप्रैल को कॉलेज के छात्रों के एक बड़े समूह द्वारा आयोजित संगीत कार्यक्रम के दौरान हुई। प्रारंभिक जानकारी

से पता चलता है कि कुछ लोगों

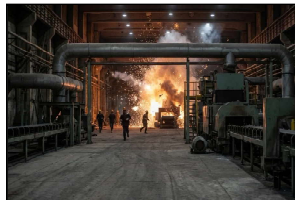


ने नशीले पदार्थों का सेवन किया होगा, संभवतः एमडीएमए, हालांकि अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि इसमें शामिल सटीक पदार्थ की पुष्टि फॉरेंसिक विश्लेषण के बाद ही की जाएगी। लगभग आधी रात को कई लोगों को सांस लेने में गंभीर कठिनाई होने लगी। आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया और प्रभावित लोगों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। दोनों महिलाओं को ट्रॉमा केयर

सुविधा में भर्ती कराया गया, जबकि पुरुष पीड़ित को ल। इ फ ल। इन अस्पताल ले जाया गया, जहां पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने कार्यक्रम में शामिल हुए कई छात्रों के बयान दर्ज किए हैं, जिनमें शुरुआती बयानों से कार्यक्रम स्थल पर नशीली दवाओं से संबंधित गतिविधियों की आशंका जताई गई है। जांचकर्ता पार्टी के उस वीडियो की भी जांच कर रहे हैं जो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। मुंबई के वनराई पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर घटना के संबंध में गिरफ्तारियों की गई हैं। कम से कम छह लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें दो कॉलेज छात्र और कई इवेंट मैनेजमेंट कर्मी शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ के वेदांता पावर प्लांट में फटा बॉयलर, 9 मजदूरों की मौत, कई गंभीर

छत्तीसगढ़ के शक्ति जिले से एक दुखद खबर सामने आई है।



यहां के सिंधी तराई इलाके में स्थित वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे एक जोरदार धमाका हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, प्लांट के बॉयलर में अचानक ब्लास्ट होने से वहां काम कर रहे मजदूरों के बीच चीख-पुकार मच गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 9 मजदूरों की जान जा चुकी है, जबकि 15 अन्य लोग घायल हुए हैं। राहत और बचाव कार्य तेज: हादसे की सूचना मिलते ही उमरा थाना पुलिस, दमकल विभाग और जिला प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। शक्ति जिले के एसपी प्रफुल ठाकुर ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि घायलों को इलाज के लिए फौरन रायगढ़ के नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्लांट परिसर में मची अफरा-तफरी को देखते हुए अन्य कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और राहत कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। कहत है कि बंगाल की आधी आबादी उर्दू बोलती है।

योगी को देखने दौड़ पड़ा पूरा बंगाल, इन 5 बयानों ने पलट दिया पूरा चुनाव

पश्चिम बंगाल में पीएम मोदी के बाद अब सीएम योगी ने तहलका मचा दिया है। पीएम मोदी और सीएम योगी को देखने के लिए पश्चिम बंगाल में इतनी भीड़ है कि कुर्सियां कम पड़ गई हैं। बंगाल के हिंदू पीएम मोदी और सीएम योगी को देखकर रो रहे हैं। कश्मीर हो या बंगाल मोदी योगी को देखने के लिए जन सैलाब टूट पड़ता है। इसी कड़ी में सीएम योगी ने बंगाल में ऐसे पांच बयान दिए हैं जो चुनावों का रुख बदल सकते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी बड़ी मुश्किल में फंसीती दिख रही हैं। पांचों बयान छोटे-छोटे हैं लेकिन आपके रोंगटे खड़े कर देंगे। सीएम योगी ने कहा कि आज कोलकाता का मेयर आपको चुनौती देता है। कहता है कि बंगाल की आधी आबादी उर्दू बोलती है। यानी बांग्ला को समाप्त करना चाहते हैं। बंगाली को समाप्त करना चाहते हैं। यह इनकी टीएमसी की साजिश को सफल नहीं होने देना है। उनको बोलो जो लोग कहते हैं कि यहां उर्दू बोली जाएगी। उनको बोलो उर्दू जहां बोली जाती वहां जाओ। बंगाल में बंग ही बोली जाएगी। यहां की बहन और बेटियों के साथ यहां के नौजवानों के रोजगार के साथ जो भी खिलवाड़ करेगा उत्तर प्रदेश का बुलडोजर उसको ठीक ढंग से जवाब दे देगा।



वार्षिक उत्सव में बच्चों की प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन, देशभक्ति से गूंजा पंडाल

दैनिक बुद्ध का संदेश



डुमरियागंज / सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत भारतभारी के वार्ड संख्या 4 लक्ष्मणनगर स्थित गुरु गोरक्षनाथ ज्ञानस्थली विद्यालय, वृंदावन देवरिया में सोमवार देर शाम वार्षिक उत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी. एन., विद्यालय के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह, प्रधानाचार्य गिरीश नायर ऋषि, निदेशक प्रदीप सिंह तथा प्रवीण पाण्डेय द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अतिथियों का तिलक लगाकर व पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। पूर्व विधायक द्वारा जिलाधिकारी को राम मंदिर की प्रतिरूप के मोमेंटो स्वरूप भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और गणपति वंदना से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने एकांकी नाटक के माध्यम से सब पढ़ें, सब बढ़ें का प्रेरक संदेश दिया तथा मोबाइल के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। वहीं प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य को मंच पर जीवंत कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों के दौरान वंदे मातरम् और भारत माता की जय के नारों से पूरा पंडाल गूंज उठा। विभिन्न राज्यों की वेशभूषा में प्रस्तुत नृत्यों ने अनेकता में एकता का संदेश दिया। सुनो गौर से दुनिया वालों जैसे देशभक्ति गीतों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी. एन. ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा किसी भी जिले और

राजकिय आयुर्वेदिक एवं यूनानी फार्मासिस्ट संघ उ.प्र. के महामंत्री बने वीरेंद्र नाथ त्रिपाठी

दैनिक बुद्ध का संदेश



लखनऊ। राजकिय आयुर्वेदिक एवं यूनानी फार्मासिस्ट संघ उ.प्र. के बैनर तले आयोजित प्रदेश स्तरीय चुनाव में वीरेंद्र नाथ त्रिपाठी महामंत्री पद पर निर्वाचित हुए हैं। बताया गया कि वीरेंद्र नाथ त्रिपाठी जनपद सिद्धार्थनगर के निवासी हैं और लंबे समय से संघ में जिला स्तर पर सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। संघ का यह चुनाव हर दो वर्ष में आयोजित किया जाता है, जिसमें इस बार 510 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव परिणामों में विद्याधर पाठक को प्रदेश अध्यक्ष चुना गया, जबकि महेंद्र कुमार शुक्ला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, संजय कुमार त्रिपाठी कोषाध्यक्ष, कृष्ण बिहारी पांडे संयुक्त मंत्री तथा दिलीप शुक्ला आयव्यव निरीक्षक पद पर निर्वाचित हुए। इनमें संयुक्त मंत्री और आयव्यव निरीक्षक के पद पर उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए, जबकि अध्यक्ष, महामंत्री, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष पदों पर कड़ा मुकाबला देखने को मिला। 12 अप्रैल की देर शाम मतगणना पूरी होने के बाद परिणाम घोषित किए गए, जिसके बाद वीरेंद्र नाथ त्रिपाठी के महामंत्री बनने पर बधाइयों का तांता लग गया। चुनाव अधिकारी के रूप में डॉ. रामकृष्ण निभाई। महामंत्री बनने के बाद वीरेंद्र नाथ त्रिपाठी ने कहा कि संघ सदैव अपने सदस्यों के हितों के लिए समर्पित है। यदि किसी भी सदस्य का उत्पीड़न होता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि वे प्रदेश अध्यक्ष विद्याधर पाठक के नेतृत्व में कर्मचारियों के हित, उत्थान और विकास के लिए लगातार कार्य करते रहेंगे।

भाजपा कार्यालय सिद्धार्थनगर में मंडल प्रवासी/जिला बैठक आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश



सिद्धार्थनगर। भाजपा कार्यालय सिद्धार्थनगर में मंडल प्रवासी/जिला बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष दीपक मोर्या की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह तथा विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी हरिचरण कुशवाहा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाकर तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित कर की गई। जिलाध्यक्ष दीपक मोर्या ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा और चल रहे अभियानों की विस्तृत जानकारी दी। मुख्य अतिथि सत्येंद्र सिंह ने प्रवासियों एवं मंडल अध्यक्षों को संबोधित करते हुए निर्देश दिया कि सभी प्रवासी अपने-अपने मंडलों में तीन दिन के भीतर बूथ अध्यक्षों के कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री पवन मिश्रा ने किया। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष रामकुमार कुंवर, बृज बिहारी मिश्रा, लालजी त्रिपाठी (लाल बाबा), दिलीप चतुर्वेदी, महामंत्री फतेह बहादुर सिंह, फूलचंद जायसवाल, पिछड़ा मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष शिवनाथ चौधरी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष साधना चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव, निवर्तमान जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान, जिला उपाध्यक्ष आशीष शुक्ला, सच्चिदानंद चौबे, विजयकांत चतुर्वेदी, कृष्णा मिश्रा, मुन्नी देवी, नंदू गौण, मनोज मोर्या, जिला मंत्री सिद्धार्थ पाठक, महिला मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य मोनी पांडे, जिला महामंत्री महिला मोर्चा अनुपमा सिंह दुबे, डीसीएफ अध्यक्ष अजय उपाध्याय, कन्हैयालाल गौड़, बजरंगी वर्मा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष तेजू विश्वकर्मा, घनश्याम मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, मंडल प्रवासी एवं मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

राज्य के विकास की आधारशिला है। उन्होंने छात्रों को भविष्य की प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार रहने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त करने पर जोर दिया। उन्होंने मेहनत, अनुशासन, स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया, खेलकूद और योग के महत्व को भी रेखांकित किया। विद्यालय के संरक्षक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों की प्रतिभा निखरती है और भारतीय संस्कृति, परंपरा व राष्ट्रभावना को बढ़ावा मिलता है। प्रधानाचार्य गिरीश नायर ऋषि ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय की आधुनिक बेहतर शिक्षा व्यवस्था पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया तथा सामूहिक राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन सृष्टि सिंह व सौम्या त्रिपाठी ने अंग्रेजी में तथा अनुराग चौधरी व सृष्टि चौरसिया ने हिंदी में किया। इस अवसर पर एसडीएम राजेश कुमार, क्षेत्राधिकारी बृजेश कुमार वर्मा, प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव, बीडीओ डॉ. विनोद मणि त्रिपाठी, सीडीपीओ अभय प्रताप सिंह, ईओ राजन गुप्ता, लवकुश ओझा, चेयरमैन चंद्रप्रकाश वर्मा, धर्मराज वर्मा, आकाश प्रताप सिंह, दिलीप पाण्डेय, लालजी शुक्ला, अवधेश शर्मा, अंकित श्रीवास्तव, सतीश चंद्र, अमृता जायसवाल, रूपाली अग्रहरि, अस्मिता पाण्डेय, जया गुप्ता, किंजल गुप्ता, मधु मिश्रा, दीपका पाण्डेय, सांभवी दुबे, दीक्षा श्रीवास्तव आदि सहित अनेक गणमान्य नागरिक, विद्यालय स्टाफ, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अंबेडकर जयंती पर शोभायात्रा व चौपाल में शामिल हुए कन्हैया पासवान

दैनिक बुद्ध का संदेश



सिद्धार्थनगर। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने विधानसभा कपिलवस्तु क्षेत्र के उसका, लोटन व जोगिया में विभिन्न स्थानों पर आयोजित शोभायात्राओं एवं बाबा साहब की प्रतिमाओं पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होकर उन्हें नमन किया। इसी क्रम में विकास खंड नौगढ़ देहात के ग्राम मीरवापुर में आयोजित चौपाल में पहुंचकर उन्होंने बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। चौपाल को संबोधित करते हुए कन्हैया पासवान ने कहा कि बाबा साहब भारतीय संविधान के शिल्पकार, महान समाज सुधारक एवं समतामूलक समाज के प्रणेता थे। उन्होंने न्याय और समता पर आधारित समाज के निर्माण के लिए आजीवन प्रयास किया। उनके व्यक्तित्व और जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए हम सभी को उनके आदर्शों को आत्मसात करना चाहिए। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक/प्रतिमा संस्थापक रामसरन गौतम, निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष तेजू विश्वकर्मा, क्षेत्रीय मंत्री (पिछड़ा मोर्चा) दीपेंद्र चौधरी, निवर्तमान मीडिया प्रभारी निशांत पांडेय, मंडल अध्यक्ष सोनू गुप्ता, संतोष शुक्ला, मंडल महामंत्री वीरेंद्र, करीम सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

विकास भवन सभागार में अंबेडकर जयंती समारोह सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश



सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय एकीकरण अनुभाग, उ0प्र0 शासन के तत्वावधान में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर विकास भवन सभागार में भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष शीतल सिंह, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह एवं सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एस.पी. अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस दौरान अधिकारियों द्वारा एक-दूसरे का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत भी किया गया। मुख्य अतिथि शीतल सिंह ने सभी को जयंती की बधाई देते हुए कहा कि बाबा साहब केवल संविधान निर्माता ही नहीं थे, बल्कि उन्होंने शिक्षा के प्रसार के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनका संदेश "शिक्षित बनों, संगठित रहो"। कार्यक्रम का शुभारंभ है। उन्होंने सभी से बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलकर देश को मजबूत बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि बाबा साहब का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाकर सफलता हासिल की। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को बेहतर शिक्षा देने और संविधान के मार्ग पर चलने का आग्रह किया। सांसद प्रतिनिधि एस.पी. अग्रवाल ने कहा कि डॉ.

अंबेडकर जयंती पर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश



सिद्धार्थनगर। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के सांसद जगदंबिका पाल के कैप कार्यालय पर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ जयंती समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सांसद की पुत्री पूजा पाल ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बाबा साहब इस देश के संविधान निर्माता थे और उन्होंने गरीबों, दलितों एवं मजदूरों के उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उन्होंने समाज में व्याप्त जातिवाद और भेदभाव को समाप्त करने के लिए ऐतिहासिक प्रयास किए, जो आज भी समाज को दिशा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में सुषमा सिंह, बीनू शर्मा, रिकू पाल, जहीर सिद्दीकी, बृज किशोर मिश्रा, प्रिंस शर्मा, सतीश शुक्ला, राहुल चौरसिया, अमरेंद्र सिंह, संतराम मिश्रा, राहुल राय, विशाल सिंह, मनोज, रवि वर्मा, अजय कुमार, जय सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन बाबा साहब के आदर्शों को आत्मसात करने तथा समाज में समरसता, समानता एवं न्याय की भावना को और सुदृढ़ करने के संकल्प के साथ किया गया।

संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई

दैनिक बुद्ध का संदेश



सिद्धार्थनगर। भारतीय संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर संगठन के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी बर्डपुर मंडल के शक्ति केंद्र बर्डपुर नं. 09 प्रथम, नगर पंचायत कपिलवस्तु के वार्ड बाल्मीकीनगर बूथ संख्या 60 पर दलित बस्ती में पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष व नामित सभासद नितेश पाण्डेय के नेतृत्व में अंबेडकर जयंती मनाई गई। इस दौरान बूथ के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय जनमानस ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया और समरसता दिवस के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया। वक्ताओं ने कहा कि समतामूलक एवं न्यायप्रिय समाज की स्थापना के लिए बाबा साहेब का संघर्ष हम सभी को सदैव प्रेरित करता रहेगा। कार्यक्रम में बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाबा साहेब के समता, न्याय और बंधुत्व के आदर्शों को 'पंचतीर्थ' जैसे प्रयासों और जनकल्याणकारी नीतियों के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे वंचित वर्गों के जीवन में नए अवसर और आशा का संचार हो रहा है। इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष शिवम मिश्र, सुदामा मोर्य, विशाल राव, हरीशचंद्र राव, विजय मिश्र, विजय कुमार, गोल्ड यादव, प्रेमचंद्र प्रजापति, अरुण जायसवाल, शंभू कुमार, श्याम मिश्र, निखिल प्रजापति, राजेश कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अध्यक्ष शीतल सिंह को भारतीय संविधान की उद्देशिका भेंट की गई। एसएसबी के जवानों एवं अन्य वक्ताओं ने भी बाबा साहब के जीवन एवं विचारों पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष शीतल सिंह ने किया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नौगढ़ विश्वजीत सौरयान, पीडी नागेंद्र मोहन राम त्रिपाठी, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, उप कृषि निदेशक अरविंद कुमार विश्वकर्मा सहित हैं। कार्यक्रम के अंत में अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं जिलाधिकारी द्वारा जिला पंचायत एसएसबी के जवान उपस्थित रहे।



अध्यक्ष शीतल सिंह को भारतीय संविधान की उद्देशिका भेंट की गई। एसएसबी के जवानों एवं अन्य वक्ताओं ने भी बाबा साहब के जीवन एवं विचारों पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष शीतल सिंह ने किया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नौगढ़ विश्वजीत सौरयान, पीडी नागेंद्र मोहन राम त्रिपाठी, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, उप कृषि निदेशक अरविंद कुमार विश्वकर्मा सहित हैं। कार्यक्रम के अंत में अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं जिलाधिकारी द्वारा जिला पंचायत एसएसबी के जवान उपस्थित रहे।

बांसी में अंबेडकर जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा, हजारों लोग हुए शामिल

दैनिक बुद्ध का संदेश



सम्पादकीय

दरअसल, श्रमिकों का उपेक्षित
 महसूस करना वातावरण को
 अस्थिर बनाता है। लेकिन यह
 एक हकीकत है कि
 दीर्घकालिक आर्थिक
 परिवर्तन के लिये विनिर्माण
 की महत्वाकांक्षाएं स्थिर-प्रेरित
 कार्यबल के बिना संभव नहीं
 हैं। औद्योगिक अशांति केवल
 उत्पादन-निवेश तक ही
 सीमित नहीं रहती। इससे
 आपूर्ति शृंखला बाधित होने
 और निवेशकों का भरोसा कम
 होने की आशंका भी पैदा...

कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौटती वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को दुनिया के कई भागों में जारी युद्ध व संघर्ष ने फिर पटरी से उतार दिया है। महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा मानवता और आम आदमी के जीवन पर भारी पड़ी है। यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति को बाधित जरूर किया, लेकिन उसका असर उतना व्यापक नहीं था, जितना खाड़ी युद्ध का रहा है। जाहिर तौर पर वैश्विक आपूर्ति शृंखला बाधित होने से आम आदमी के जीवन पर बहुत नकारात्मक असर पड़ा है। बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की जीवन शैली व थाली पर गहरा प्रभाव डाला है। अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों और इस्राइल की आक्रामकता से उपजे खाड़ी संकट ने एशिया ही नहीं, बल्कि यूरोप, अफ्रीका व अमेरिका की ऊर्जा आपूर्ति शृंखला को संकट में डाल दिया है। संयुक्त राष्ट्र की विफलता के चलते आज दुनिया में 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' वाली कहवात चरितार्थ हुई है। जिसका सीधा असर महंगाई वृद्धि के रूप में सामने आया है। एक ओर ईंधन संकट और उससे बुरी तरह प्रभावित जनजीवन अक्रोश का कारक बना है। विडंबना यह है कि इस महंगाई के बीच कामगारों के वेतन सजकूने लगे हैं। जीवनयापन कठिन होते और कोई समाधान न निकलते देख श्रमिकों का आक्रोश सड़क तक पहुंचने लगा है। सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में फैक्ट्रियों के श्रमिकों द्वारा किया गया हिंसक प्रदर्शन इस संकट की परिणति ही है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा की औद्योगिक नगरी मानेसर में भी पुलिस व श्रमिकों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें आई हैं। ये टकराव भारतीय औद्योगिक तंत्र की विसंगतियों की ही याद दिलाते हैं। इस तरह के हिंसक संघर्ष हमारी कानून-व्यवस्था की विफलता को भी उजागर करते हैं। वहीं बताते हैं कि श्रमिक वर्ग, उद्योग और राज्य सरकार के बीच कहीं न कहीं संवाद की कमी है। यही वजह है कि वेतन बढ़ाने की मांग के समर्थन में शुरू हुआ मार्च कालांतर आगजनी, तोड़फोड़ व यातायात बाधित करने में तब्दील हो गया। निश्चित तौर पर समय रहते इस श्रमिक असंतोष को भांपते हुए बेहतर ढंग से

श्रमिक अशांति

संवाद किया जाता तो शायद टकराव की स्थिति पैदा न होती। दरअसल, सरकारों की तरफ से तो कहा जा रहा है कि देश में ईंधन व गैस आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं है, लेकिन जमाखोरी व प्रशासन की उदासीनता से इसकी कालाबाजारी जारी है। श्रमिक वर्ग जो छोटे गैस सिलेंडरों से जीवन-यापन करता था, उसमें व्यवधान पैदा हो गया। नियंत्रित गैस आपूर्ति से छोटे गैस सिलेंडर भरने का धंधा पग हो गया। शायद सरकारों को भी इस बात का अहसास नहीं था कि कितना बड़ा श्रमिक वर्ग छोटे गैस सिलेंडरों को भरने के काले धंधे पर निर्भर है। यही वजह है कि हिमाचल समेत कई राज्यों में खाना पकाने के संकट के चलते श्रमिकों के घर लौटने के मामले प्रकाश में आए हैं। लेकिन इस संकट को शासन-प्रशासन के स्तर पर गंभीरता से नहीं लिया गया। निर्विवाद रूप से बढ़ती महंगाई और स्थिर वेतन के बीच बढ़ती खाई से अशांति की जड़ें गहरी होती जा रही हैं। औद्योगिक केंद्रों में कामगार पश्चिम एशिया युद्ध के चलते बढ़ी महंगाई के कारण दबाव में अपना गुजारा करने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। निस्संदेह, हरियाणा द्वारा न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने का निर्णय इस गंभीर वास्तविकता की स्वीकृति को ही दर्शाता है। लेकिन यह भी हकीकत है कि तात्कालिक उपाय के रूप में बातचीत और शिकायतों का फौरी निवारण कारगर विकल्प नहीं हो सकते। हालांकि, अधिकारी अशांति फैलाने में निहित स्वार्थी तत्वों की भूमिका की जांच कर रहे हैं, लेकिन ये घटनाएं व्यवस्थागत अविश्वास को भी दर्शाती हैं। दरअसल, श्रमिकों का उपेक्षित महसूस करना वातावरण को अस्थिर बनाता है। लेकिन यह एक हकीकत है कि दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन के लिये विनिर्माण की महत्वाकांक्षाएं स्थिर-प्रेरित कार्यबल के बिना संभव नहीं हैं। औद्योगिक अशांति केवल उत्पादन-निर्देश तक ही सीमित नहीं रहती। इससे आपूर्ति शृंखला बाधित होने और निवेशकों का भरोसा कम होने की आशंका भी पैदा होती है। निस्संदेह, आर्थिक प्रगति समावेशी हो। शासन को श्रमिक हितैषी होना चाहिए। विश्वास निर्माण से ही हमारे कारखाने विकास का इंजन बन सकते हैं।

मादरो के बुने जाल
में फंस गए ट्रंप!

इंडियन जलवा उस दिन पूरी तरह कायम होगा जब सुपरमैन किसी इंडियन शादी में करोड़ों लेकर डांस करेगा और डायलॉग बोलेगाकू ईरान की मिसाइल से डर नहीं लगता साहब, इंडियन शादी में फूफाजी के नाराज होने से डर लगता है। उस दिन भारत सही मायनों में विश्वगुरु बनेगा। दुनिया में इस हफ्ते बहुत कूच हुआ। ट्रंप ने मादुरो को हड़काया, सुपरमैन ने धुरंधर से प्रेरणा ली, डेविड वॉर्नर कराची की सोहबत में बिगड़े, मुंबई इंडियंस ईवीएम ढूँढ़ने लगे, और सलमान-राजपाल ने जेल के शोले की स्क्रिप्ट तैयार कर ली। यह सब अलग-अलग नहीं है क्यूह एक ही बड़ी कहानी के अलग-अलग अध्याय हैं। कहानी यह है कि दुनिया में ताकतवर लोग छोटी जीत पर इतराते हैं और बड़ी हार को नजरअंदाज करते हैं। शुरू करते हैं ट्रंप और मादुरो से। अमेरिकी जेल में बंद वेंदेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति मादुरो को ट्रंप ने जरूर हड़काया होगा किंकू 'तेरे चक्कर में फंस गए हम। तू तो घंटे में पकड़ में आ गया, और यहां तो महीने हो गए ईरान को न पकड़ पा रहे। तूने ऐसा क्यों किया? तू ईरान का एजेंट तो नहीं?' यह सवाल गहरा है। असली एजेंट वही होता है जो दुश्मन को छोटी जीत करके बड़े जाल में फंसाए। करीब 20 दिनों में धुरंधर तू ने दुनियाभर में 1600 करोड़ से ऊपर का कारोबार कर लिया। इंडियन सिनेमा का डंका बज रहा है। खबर है कि अब अमेरिकन सुपरमैन ने दरख्वास्त दी है कि वह धुरंधर स्टाइल में मार मचाएगा। इंडियन जलवा उस दिन पूरी तरह कायम होगा जब सुपरमैन किसी इंडियन शादी में करोड़ों लेकर डांस करेगा और डायलॉग बोलेगाकू ईरान की मिसाइल से डर नहीं लगता साहब, इंडियन शादी में फूफाजी के नाराज होने से डर लगता है। उस दिन भारत सही मायनों में विश्वगुरु बनेगा। अब सोहबत का मामला। पाकिस्तान की क्रिकेट टीम कराची क्रिस से जुड़े ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर डेविड वॉर्नर ऑस्ट्रेलिया में दारुबाजी करके ड्राइव करने के अपराध में धरे गए। ज्ञानी कहते हैं कूसोहबत सही रखनी चाहिए। कराची का असली किंग तो आतंकी दाऊद इब्राहिम है। डेविड वॉर्नर, अगली बार कहीं बमबाजी के अपराध। में न धर लिए जाएं। सोहबत सही रखनी चाहिए। आईपीएल में भी न्याय की मांग उठी। मुंबई इंडियंस को राजस्थान रॉयल ने हरा दिया। बहुत बेजजती की बात है। किसी ज्ञानी ने सुझायाकू आरोप लगा दो, ईवीएम खराब थी। वरना हमारी वीयरलीडरों का डांस राजस्थान रॉयल के मुकाबले कहीं बेहतर था। डांस के बोनास रन मिलते तो हम जीतते। ईवीएम का दायरा अब क्रिकेट तक पहुंच गया है। लोकतंत्र सच में बहुत लचीला है। और अंत में, जेल के शोले। पहले जेल गए सलमान खान ने हाल में जेल से लौटे राजपाल यादव से कहा, 'जेल आने-जाने की चिंता नहीं करनी। शोले के जेय और वीरू भी जेल से निकले थे।

पार्श्व गायन के एक स्वर्णिम युग का अंत

आशा भोंसले जी को सात बार फिल्म फेयर पुरस्कार, 1995 में फिल्म रंगीला के लिए विशेष पुरस्कार, 2001 में फिल्मफेयर लाइफ टाइम अचीवमेंट, 1981 में उमराव जान और 1986 में इजाजत के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिले। 1997 में आशा जी को उस्ताद अली अकबर खान के साथ विशेष एलबम के लिए ग्रैमी अवार्ड हेतु नामांकित किया गया। वर्ष 2000 में उन्हें दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया...

मृत्युंजय दीक्षित ।

एक समय ऐसा था जब आशा जी को नायिकाओं पर फिल्माए जाने वाले प्रमुख गीत नहीं मिलते थे। 1950 के दशक में आशा जी ने दूसरी-तीसरी श्रेणी की फिल्मों या फिर खलनायिकाओं वाले गीत गाए। आशा जी की लोकप्रियता फिल्म बूट पॉलिश के गीत “नन्हें मुन्ने बच्चों” के साथ हुई। देश की महान पार्श्व गायिका आशा भोंसले जी का निधन भारतीय सिनेमा के लिए एक अपूरणीय क्षति है। 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में जन्मी, स्वर साधिका आशा भोंसले जी अपनी आवाज के जादू से संगीत प्रेमियों के दिलों पर राज करती थीं। पिता दीनानाथ मंगेशकर ने ही अपनी पुत्री आशा को संगीत की आरंभिक शिक्षा दी किन्तु जब आशा की आयु मात्र 9 वर्ष की थी तभी दीनानाथ जी का निधन हो गया और पूरा परिवार मुंबई आ गया। परिवार की आर्थिक सहायता के लिए आशा और इनकी बड़बहन लता मंगेशकर जी ने फिल्मों में गीत गाना और अभिनय करना आरम्भ किया।

आशा जी ने प्रथम गीत 1943 में मराठी फिल्म माझा बाल में गाया था। 1948 में हिंदी फिल्म चुनरिया का गीत "सावन आया" हंसराज बहल के लिए गाया। आशा भोंसले ने 20 भाषाओं में 12 हजार से अधिक गीत गाए हैं। आशा जी ने मराठी, असमिया, हिंदी, तेलुगू, मराठी, बंगाली, गुजराती,

पंजाबी, भोजपुरी, तमिल, और मलयालम भाषा में गीत तो गाये ही वहीं विदेशी अंग्रेजी, रशियन, नेपाली, मलय आदि भाषाओं में भी गीत गाकर इतिहास रचा। एक समय ऐसा



था जब आशा जी को नायिकाओं पर फिल्माए जाने वाले प्रमुख गीत नहीं मिलते थे। 1950 के दशक में आशा जी ने दूसरी-तीसरी श्रेणी की फिल्मों या फिर खलनायिकाओं वाले गीत गाए। आशा जी की लोकप्रियता फिल्म बूट पॉलिश के गीत "नन्हें मुन्ने बच्चों" के साथ हुई। आशा जी को सबसे बड़ा अवसर 1956 में ओ.पी. नैयर की फिल्म सीआईडी में मिला, इस फिल्म के गीत बेहद लोकप्रिय हुए। 1957 में बी. आर. चोपड़ा की फिल्म नया दौर के गीतों से श्रोताओं के सर चढ़कर बोलने लगा। 1970 तक आशा जी एक प्रमुख आवाज बन गयीं। उस समय के गीत आज भी अत्यंत लोकप्रिय हैं। 1981 से 1987 तक आशा जी ने अपने सभी गीतों का लोहा मनवा लिया। आशा जी ने कई संगीत निर्देशकों के साथ काम किया, जिनमें संगीतकार ओ. पी. नैयर, खैय्याम, रवि, सचिन देव बर्मन के साथ उनकी साझीदारी बहुत प्रभावशाली रही। संगीत निर्देशक जयदेव ने आशा जी के साथ कई फिल्में के लिए गीत रिकॉर्ड किए। 1987 में

जयदेव जी के निधन के बाद उनके कमरे में प्रसिद्ध गीतों का संकलन जो जयदेव के द्वारा संगीतबद्ध था सुरांजलि नाम से निकाला गया इसमें आशा जी की प्रमुख भूमिका थी। संगीताकार शंकर जयकिशन के साथ आशा जी ने जो गीत गाए वे काफी लोकप्रिय हुए। आशा जी ने ही 1970 में मेरा नाम जोकर प्रसिद्ध फिल्म के गीत गाए और लोकप्रियता बढ़ोरी। आशा जी ने इलैया राजा से लेकर इसरो पीछे के ए आर नानम तक के साथ किया। फिल्मी दुनिया में शायद ही ऐसा कोई-सी संगीताकार हो जिसके लिए आशा जी ने गीत न गाया हो। आशा जी ने कई निजी एलबम भी निकाले इनमें “कभी तो नजर मिलाओ” और “बरसे बादल” काफी लोकप्रिय हुए। गायन की विविधता से आशा जी ने अपनी गायकी में अभूतपूर्व ऊंचाई प्राप्त की

आशा भोंसले जी को सात बार फिल्म फेयर पुरस्कार, 1995 में फिल्म रंगीला के लिए विशेष पुरस्कार, 2001 में फिल्मफेयर लाइफ टाइम अचीवमेंट, 1981 में उमराव जान और 1986 में इजाजत के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिले। 1997 में आशा जी को उस्ताद अली अकबर खान के साथ विशेष एलबम के लिए ग्रैमी अवार्ड हेतु नामांकित किया गया। वर्ष 2000 में उन्हें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 2008 में उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। आशा जी का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में भी अंकित है।

जांचे गए भूखंडों में शोधकर्ताओं ने मीथेन के अधिक अवशोषण को मिट्टी की कम नमी और धीरे-धीरे बढ़ने वाले मिट्टी के तापमान से जोड़ा। मीथेनोट्रोफ्स नामक सूक्ष्मजीव मीथेन का ईंधन के रूप में उपयोग करते हैं। एक बार जब मीथेन ऊपरी मिट्टी तक पहुंच जाती है तो ये जीव विभिन्न प्रतिक्रियाओं के जरिए उसे कार्बन डाइऑक्साइड और पानी के रूप में विखंडित कर देते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि...

जंगल कार्बन सिंक का काम करते हैं, जितना कार्बन छोड़ते हैं उससे कहीं ज्यादा मात्रा में उसे हटाते हैं। धीरे-धीरे बढ़ने वाले घने पेड़ों ने दशकों तक तनों में कार्बन को बंद रखा, क्योंकि ठोस लकड़ी के हर इंच में ज्यादा पदार्थ समा सकता है। तेजी से बढ़ने वाले पेड़ अक्सर कम उम्र में मर जाते हैं। उनके तने हल्के होते हैं, इसलिए उनमें जमा कार्बन तूफान और क्षय से जल्दी हवा में वापस चला जाता है। दुनिया के जंगल हमारे पारिस्थितिक तंत्र का आधार हैं और ग्लोबल वार्मिंग से लड़कर पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। लेकिन अब उनकी विशिष्ट भूमिका कमजोर हो रही है क्योंकि जंगलों में तेजी से बढ़ने वाले पेड़ों की भरमार हो रही है और लंबे समय तक जीने वाली जातियाँ तेजी से गायब हो रही हैं। स्थिर और लंबे जीवनकाल वाले पेड़ों की जगह तेजी से बढ़ने वाले पेड़ों को रखना टिम्बर इंडस्ट्री और जंगल की आग के बाद जल्द ही हमलने के लिए फायदेमंद है लेकिन बदलते मौसम का सामना करते समय यह जंगलों



को बहुत ज्यादा खतरा में डालता है। डेनमार्क की ओरहुस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने 31,001 पेड़ों की प्रजातियों का वैश्विक विश्लेषण करके बताया है कि तेजी से बढ़ने वाले पेड़ किन जंगलों में हावी हो रहे हैं। डेनिश वैज्ञानिक जेन्स-क्रिश्चियन स्वेनिंग ने नक्शों का इस्तेमाल करके दिखाया कि धीरे-धीरे बढ़ने वाले, खास कि तेजी से बढ़ने वाले प्रजातियों के स्वरूप ने उष्णकटिबंधीय गीय इलाकों में ऐसे का उल्लेख किया है जिनका संभावना सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ने वाले पेड़ हावी हो जाते हैं, तो तूफान उष्ण जंगल के बड़े हिस्से तक सके हैं। दरअसल, लकड़ बनाने और आग लगने से

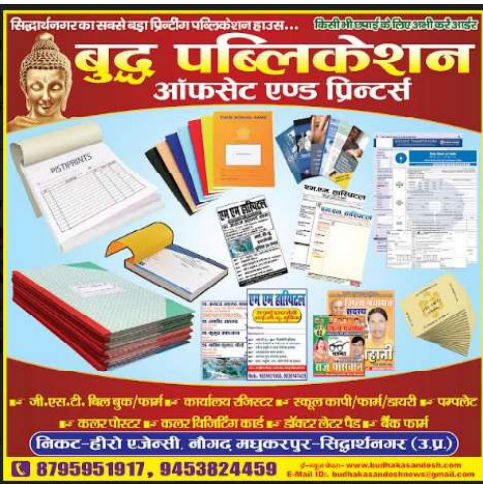
के पेड़ तेजी से जगहें बन जाती हैं, जहां तेजी से बढ़ने वाले पेड़ बहुत जल्दी फैल जाते हैं। हल्की पतियाँ और मुलायम लकड़ी की वजह से ये पेड़ तेजी से बढ़ते हैं। सूखे या गर्मी की वजह से पानी की कमी होने पर भी ऐसे पेड़ों का बढ़ना जारी रहता है। इन पेड़ों में लकड़ी का घनत्व कम होता है, जिसकी वजह से इनके तने आसानी से टूट जाते हैं। और जल्दी सूख जाते हैं। विषम परिस्थितियों में हल्की लकड़ी वाले पेड़ों के मरने की संभावना अधिक होती है। लंबे समय तक

जंगलों की कम होती ग्लोबल वार्मिंग से लड़ने की क्षमता

चलने वाले पेड़ धीरे-धीरे बढ़ते थे। मौसम खराब होने पर उनकी गहरी जड़ें और मजबूत तने जंगल को एक साथ बनाए रखते थे। घनी लकड़ी और मजबूत पत्तियों ने उन्हें सूखे और कीड़ों से बचने में मदद की। हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने ऐसे पेड़ों के टिकारूपन को जलवायु सुरक्षा से जोड़ा है। इस तरह के पेड़ जंगल के पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ हैं और स्थिरता और कार्बन भंडारण में योगदान देते हैं। जैसे-जैसे तूफान, कटाई और गर्मी से जंगलों पर दबाव बढ़ता है, पेड़ों की बाहरी प्रजातियाँ रोशनी, पानी और पोषक तत्वों के लिए प्रतियोगिता में घेर लेती हैं। यह दबाव दुर्लभ स्थानीय पेड़ों को खत्म होने के करीब ला सकता है। उष्णकटिबंधीय जंगलों में कई पेड़ों की प्रजातियाँ छोटे-छोटे इलाकों में मिलती हैं, इसलिए कुछ पेड़ों के खत्म होने से पूरा खाद्य चक्र तेजी से कम हो सकता है। जंगल कार्बन सिंक का काम करते हैं, वे जितना कार्बन छोड़ते हैं उससे कहीं ज्यादा मात्रा में उसे हटाते हैं। धीरे-धीरे बढ़ने वाले घने पेड़ों ने दशकों तक तनों में कार्बन को बंद रखा, क्योंकि ठोस लकड़ी के हर इंच में ज्यादा पदार्थ समा सकता है। तेजी से बढ़ने वाले पेड़ अक्सर कम उम्र में मर जाते हैं। उनके तने हल्के होते हैं, इसलिए उनमें जमा कार्बन तूफान और क्षय से जल्दी हवा में वापस चला जाता है। इससे जंगल लंबे समय तक कार्बन जमा करने में कम असरदार हो जाते हैं। सही पेड़ों के

बिना जंगल उन पक्षियों और स्तनपायी जीवों को खो सकते हैं जो बीज फैलाते हैं जिससे तूफान या आग के बाद जंगल में रिकवरी धीमी हो जाती है। जंगल के प्रबंधक अक्सर जल्दी फसल के लिए तेजी से बढ़ने वाले पेड़ों को पसंद करते हैं, लेकिन जब पौधों में धीमी गति से बढ़ने वाली प्रजातियाँ भी शामिल होती हैं, तो जंगल लंबे समय तक अपनी मजबूती बनाए रख सकते हैं। ज्यादा पेड़ चुनने से और जल्द आनुवांशिकी सुरक्षित रहती है दुर्लभ मौसम का तनाव बढ़ता है, यह जंगल में पुराने विकास वाले गुणों को बनाए रखती है। एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने जंगलों की एक और भूमिका को उजागर किया है। अध्ययन में पाया गया कि वन की मिट्टी जलवायु परिवर्तन में जितना योगदान दे रही है, उसका हमें अंदाजा नहीं है। यह साल दर साल चुपचाप हवा से मीथेन का अवशोषित करती रहती है। दक्षिण-पश्चिम जर्मनी में लिए गए नए दीर्घकालिक मापों से पता चलता है कि कुछ वनों में यह भीमूंगत मीथेन अवशोषण क्षमता कम होने के बजाय

लगातार मजबूत होती जा रही है। जर्मनी के गोटिंगेन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने लगभग 25 वर्षों तक 13 वन भूखंडों में भीथेन के मूवमेंट का अध्ययन किया और पाया कि मिट्टी की भीथेन अवशोषण क्षमता में प्रति वर्ष लगभग 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह निरंतर वृद्धि नम और शुष्क दोनों मौसमों और धीरे-धीरे बढ़ते तापमान के दौरान देखी गई। यह वृद्धि इस धारणा को चुनौती देती है कि जलवायु परिवर्तन से मिट्टी की भीथेन अवशोषण क्षमता में एक समान कमी आएगी। नया अध्ययन इस बारे में भी नए सवाल खड़े करता है कि कुछ वन दूसरों की तुलना में तेजी से क्यों बेहतर हो रहे हैं।



Downloaded from <http://ajphaphysocpharm.sagepub.com/> at 11:01 11 September 2014

भूत बंगला पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची, मिला यू/ए सर्टिफिकेट, फिल्म से कटा इतने मिनट का सीन

अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला को सेंसर बोर्ड (सीबीएफसी) से यूए 16 सर्टिफिकेट मिल गया है। इसका मतलब है कि अब 16 साल से कम उम्र के बच्चे अपने माता-पिता के साथ यह



फिल्म देख सकते हैं। इसके साथ ही फिल्म को सर्टिफिकेट मिलने से पहले सेंसर बोर्ड ने कई बदलाव करने को कहा, जिन्हें निर्माताओं ने मान लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिलने के बाद भी निर्माताओं ने कुछ सीन हटाने को कहा है। उन्होंने कुल 63 सींस हटाए। सबसे बड़ा कट शओ सुंदरीय गाने के एक सीन का था, जो पूरे 1 मिनट 12 सेकंड का था। शओ रे ओ सांवरियाय गाने से भी 27 सेकंड काटे गए। इन सब कट्स के बाद फिल्म की लंबाई 10 मिनट 5 सेकंड कम हो गई। अब फिल्म की फाइनल लंबाई है 2 घंटे 44 मिनट 52 सेकंड है। फिल्म भूत बंगला 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। भूत बंगला के पेड प्रिव्यू शोज 16 अप्रैल की रात 9 बजे से शुरू हो जाएंगे। इस फिल्म को प्रियदर्शन ने निर्देशित किया है। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, असरानी, परेश रावल, राजपाल यादव और तब्बू के अलावा कई कलाकार नजर आएंगे।

कारा में पुलिस ऑफिसर का रोल अदा करेंगे सूरज वेंजारामूडु, धनुष की फिल्म को लेकर बढ़ी उत्सुकता



चेहरे पर सीरम लगाते समय न करें ये गलतियां, हो सकता है नुकसान



सीरम एक ऐसा त्वचा की देखभाल वाला उत्पाद है, जो चेहरे को कई तरह के लाभ दे सकता है। हालांकि, लाभ पाने के लिए इसे सही तरीके से लगाना जरूरी है। दरअसल, सीरम को लगाने के दौरान कुछ छोटी-छोटी गलतियां अनजाने में हो जाती हैं, जो आपकी त्वचा को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान पहुंचा सकती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जो सीरम लगाते समय नहीं करनी चाहिए।

ज्यादा सीरम लगाना

सीरम की अपनी एक मात्रा होती है, जिसे इस्तेमाल करना जरूरी है। अगर आप ज्यादा सीरम का इस्तेमाल करेंगे तो आपकी त्वचा अधिक चिकनी हो सकती है। इससे मुंहासे और अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए सीरम का इस्तेमाल हमेशा सीमित मात्रा में करना चाहिए। एक या दो बूंद ही काफी होती हैं। इससे आपकी त्वचा को सही मात्रा में नमी और पोषण मिलेगा, बिना किसी अतिरिक्त चिपचिपाहट के।

गीली त्वचा पर लगाना

गीली त्वचा पर सीरम लगाना सही नहीं माना जाता क्योंकि इससे सीरम ठीक से असर नहीं कर पाता। सीरम को हमेशा साफ और सूखी त्वचा पर लगाना चाहिए ताकि यह अच्छे से असर दिखा सके। गीली त्वचा पर लगाने से सीरम का असर कम हो सकता है और आपकी त्वचा को उतना लाभ नहीं मिल पाता, जितना कि सूखी और साफ त्वचा पर लगाने से मिलता है।

सीधे धूप में रहना

अगर आप धूप में रहते हुए सीधे चेहरे पर सीरम लगाते हैं तो इससे आपकी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। सूरज की किरणें सीरम के तत्वों को खराब कर सकती हैं और आपकी त्वचा को भी प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए हमेशा छाया या अंदरूनी जगह पर रहकर ही सीरम लगाना चाहिए ताकि आपकी त्वचा सुरक्षित रहे और आपको सीरम का पूरा फायदा मिल सके।

अन्य त्वचा देखभाल उत्पादों के साथ मिलाना

सीरम को कभी भी अन्य त्वचा देखभाल उत्पादों जैसे क्रीम या लोशन के साथ मिलाना नहीं चाहिए। इससे सीरम के पोषक तत्व कमजोर हो सकते हैं और उसका असर कम हो सकता है। सीरम को हमेशा अलग-अलग चरणों में इस्तेमाल करना चाहिए ताकि हर उत्पाद का अपना असर बना रहे। इस तरह आप अपनी त्वचा को सबसे अच्छा लाभ दे सकते हैं और उसे स्वस्थ बनाए रख सकते हैं।

हाथों को धोना न भूलें

सीरम लगाने से पहले अपने हाथों को अच्छे से धोना बहुत जरूरी है। गंदे हाथों से चेहरे पर सीरम लगाने से बैक्टीरिया फैल सकते हैं, जिससे त्वचा समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए हाथों को साबुन-पानी से धोकर ही चेहरे पर सीरम लगाएं। इस तरह आप अपनी त्वचा को साफ-सुथरी बनाए रख सकते हैं और किसी भी तरह की समस्या से बच सकते हैं। साफ हाथों से ही त्वचा को स्वस्थ रखा जा सकता है।